आनंद विभाग – एक संक्षिप्त परिचय

मध्यप्रदेश विगत एक दशक से विविध क्षेत्रों में विकास कर रहा है। कृषि, उत्पादन, विद्युत आपूर्ति, परिवहन, औद्योगिक विकास आदि क्षेत्रों में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश की 2004-05 से 2014-15 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर प्रचलित दरों के आधार पर 16.21 प्रतिशत रहीं। यह विकास सूचकांक प्रदेश की भौतिक प्रगति को इंगित करते है।

यह हमेशा महसूस किया जाता रहा है कि केवल भौतिक विकास से नागरिकों की खुशहाली का स्तर ज्ञात करना संभव नहीं हो पाता है। नागरिकों की खुशहाली एवं उनके परिपूर्ण जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता आवश्यक है। सिर्फ भौतिक सुविधाओं से आनंद की प्राप्ति संभव नहीं है। राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है। अत: नागरिकों को ऐसी विधियां तथा उपकरण उपलब्ध कराने होंगे, जो उनके लिए आनंद का कारक बनें। विकास का मापदण्ड मूल्य आधारित होने के साथ-साथ नागरिकों के आनंद ज्ञात करने वाला भी होना चाहिए। इस अवधारणा को साकार करने के लिए भौतिक प्रगति के पैमाने से आगे बढ़कर राज्य सरकार द्वारा आनंद विभाग की स्थापना की गई है। इस प्रकार का कदम बढ़ाने वाला मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य है।

आनंद विभाग का गठन

मंत्री,मआनंद विभाग का सृजन दिनांक 06 अगस्त, 2016 को किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आनंद विभाग के प्रभारी मंत्री तथा माननीय श्री लाल सिंह आर्य राज्यमंत्री है।

आनंद विभाग के कार्य एवं उद्देश्य -

- राज्य में आनंद का प्रसार बढ़ाने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करना।
- आनंद की अवधारणा का नियोजन नीति निर्धारण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया की मुख्य धारा में लाना।
- आनंद की अनुभुति के लिये कार्ययोजना बनाना एवं गतिविधियों का निर्धारण।
- आनंद एवं सकुशलता को मापनें के पैमानों की पहचान करना तथा उन्हें परिभाषित करना।
- निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मन:स्थिति का आंकलन करना।
- आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।
- आनंद के विषय पर अनुसंधान करना।

राज्य आनंद संस्थान

विभाग के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए पंजीकृत सोसायटी के रूप में ''राज्य आनंद संस्थान'' का गठन किया गया है । संस्था का पंजीकरण दिनांक 12 अगस्त 2016 को रजिस्ट्रार फर्म एण्ड सोसायटी द्वारा किया गया है। राज्य आनंद संस्थान में एक सामान्य सभा तथा एक कार्यपालन समिति के गठन का प्रावधान है।

राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा:-

1. माननीय मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन- अध्यक्ष
2. आनंद विभाग के भारसाधक मंत्री- मध्य प्रदेश शासन- उपाध्यक्ष
3. कार्यपालन समिति के अध्यक्ष-सदस्य
4. मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन-सदस्य
5. माननीय मंत्री योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य- सदस्य
6. योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य विभागों से संबंधित प्रमुख सचिव- सदस्य
7. अध्यक्ष व माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नामांकित इक्कीस गैर शासकीय सदस्य जिन्होंने मानवीय आनंद और सकुशलता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया हो।
8. सोसायटी के मुख्य कार्यकारीअधिकारी- सदस्य सचिव
   आवश्यक समझे जाने पर सामान्य सभा के अध्यक्ष विषय के जानकारी व्यक्तियों, विभागों के भारसाधक मंत्रीगण, अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सकते हैं।

राज्य आनंद संस्थान में अभी तक निम्न ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को सामान्य सभा में नामांकित किया गया है:-

1.	डॉ. एच.आर. नागेन्द्र	योगाचार्य
2.	श्रीब्रह्मदेव शर्मा	संरक्षक, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
3.	श्री प्रभात कुमार	प्रशासक
4.	सुश्री निवेदिता रघुनाथ भिड़े	उपाध्यक्ष, विवेकानंद रॉक मेमोरियल एवं विवेकानंद केन्द्र
5.	डॉ प्रणव पंड्या	चांसलर देव संस्कृतिविश्वविद्यालय
6.	श्री प्रसुन जोशी	मैककैनवर्ल्ड ग्रुप इंडिया
7.	श्री महेश श्रीवास्तव	पत्रकार
8.	श्री अनुपम खेर	अभिनेता

9.	डॉ सोनल मानसिंह	फाउंडरप्रेसीडेन्ट इंडियन क्लासिकल डांस
10.	डॉ. वीरेन्द्र हेगड़े	शिक्षाविद, सुधारक
11.	सुश्री इंदुमती काटदरे	कुलपति
12.	आचार्य श्री गोविंद देवगिरि	आचार्य ,महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान धर्मश्री, पुणे
13.	श्री आलोक कुमार	एडवोकेट नई दिल्ली,
14.	श्री राज रघुनाथन	प्रोफेसर, टेक्सास युनिवर्सिटी, ऑस्टिन
15.	श्री गणेश प्रसाद बागड़िया	मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान, कानपुर

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति:-

1.अध्यक्ष- श्री इकबाल सिंह बैंस, भा.प्र.से.,अतिरिक्त मुख्य सचिव, आनंद विभाग (राज्य शासन द्वारा नामांकित)
2.मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सदस्य सचिव - श्री नीरज वशिष्ठ, (राज्य शासन द्वारा नामांकित)
3.अध्यक्ष द्वारा 2 वर्ष के लिये 5 अशासकीय सदस्य नामांकित होंगे ।
4.प्रमुख सचिव, योजना/खेल एवं युवा कल्याण/स्कूल शिक्षा/उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा/स्वास्थ्य/संस्कृति विभाग-सदस्य।
5.संस्थान के सेटअप में वर्णित निदेशकगण पदेन सदस्य होंगे।

संस्थान में अधिकारी /कर्मचारी पद संरचना निम्नानुसार है:-

क्र.	स्वीकृत पदनाम	पद संख्या	प्रशासनिक स्तर
1.	अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति	1	अपर मुख्य सचिव
2.	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	1	सचिव
3.	निदेशक- अनुसंधान / रा.का.अधि.	1	प्राध्यापक
4.	निदेशक- प्रशासन/रा.का.अधि.	1	उपसचिव
5.	निदेशक- कार्यक्रम/रा.का.अधि	2	उपसचिव
6.	निदेशक- हैप्पीनेस इंडेक्स/रा.का.अधि.	1	उपसचिव
7.	कार्यक्रम समन्वयक (प्रोग्राम)	2	उपसंचालक
8.	कार्यक्रम समन्वयक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	2	उपसंचालक
9.	कसंल्टेंट (रिसर्च/डाक्युमेंटेशन)	2	उपसंचालक
10.	कार्यक्रम सहायक (प्रोग्राम)	1	सहा.ग्रेड1
11.	कार्यक्रम सहायक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	1	सहा.ग्रेड1
12.	अनुसंधान सहायक	1	सहा.ग्रेड1
13.	सहा.लेखा अधिकारी	1	सहा.ग्रेड1
14.	सहा.ग्रेड 1	2	सहा.ग्रेड1

15.	कंसल्टेंट (आईटी)	1	
16.	सहा. कंसल्टेंट (आईटी)	1	
17.	कार्यालय सहा. (मल्टी टास्क)	7	

संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in

राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट 8 नवंबर, 2016 को लांच की गई। इस वेबसाइट के माध्यम से विभाग एवं संस्था के बारे में जानकारी देने का प्रयास किया जा रहा है। अपनी वेबसाइट के माध्यम सेसंस्थान द्वारा अपने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अल्पविराम, आनंद उत्सव, आनंदम,आनंद कैलेण्डर, आनंद क्लब, आनंद सभा, आनंद शिविर आदि को आमजन तक पहुँचाने तथा इसमें उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

विभाग तथा संस्थान अपनी गतिविधि एवं कार्यक्रमों के साथ साथ दैनंदिनी निर्देशों को भी अपने वेबसाइट पर अपलोड कर रहा है जिससे पारदर्शिता बनी रहे। इसी प्रकार राज्य आनंद संस्थान से जुड़ने के लिए वेबसाईट पर एक लिंक दी गयी है जिससे आम लोग अपनी भागीदारी स्वैच्छिक रूप से कर सके। स्वयंसेवी आनंदक लगातार संस्थान से जुड़ते जा रहे है।

वेबसाइट का निरंतर उन्नयन किया जा रहा है। संस्थान का प्रयास है कि इसे और भी ज्यादा उपयोगी और गतिमान बनाया जा सके।

आनंदक

राज्य आनंद संस्थान ने अपने कार्यक्रमों का संचालन स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं के माध्यम से करने का निर्णय लिया है। आनंद संस्थान के कार्यो में सहयोग करने वाले ऐसे स्वयंसेवी कार्यकर्ता जो नि:शुल्क एवं स्वैछिक रूप से अपने अन्य सामान्य कार्यकलापों के अतिरिक्त राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियाँ करने के लिए स्प्रेरणा से तैयार हैं,को 'आनंदक' नाम से सम्बोधित किया गया है। विभाग द्वारा समय- समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रशिक्षण अनुरूप कार्य करते है। आनंदकों से संस्थान यह अपेक्षा करता है कि वे अपने कर्तव्य तथा विचारों से दूसरों के लिए सकारात्मक उदाहरण बन सके तथा अन्य व्यक्तियों को भी आनंद विभाग की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें । यदि कोई शासकीय सेवक आनंदक के रूप में आनंद विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होता है तो उसकी उपस्थिति को शासकीय कार्य के रूप में माना गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये है।

आनंद विभागकी गतिविधियों के संचालन के लिए स्वयंसेवक कार्यकर्ताओं को "आनंदक" के रूप में राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in पर

पंजीकृत कराने की सुविधा प्रदान की गई है। अब तक 48000 से अधिक आनंदक स्वैच्छा से स्वयंसेवक के रूप में जुड़ चुके हैं।

अल्पविराम

'अल्पविराम' आनंद विभाग द्वारा संचालित एक ऐसी गतिविधि है जिसके माध्यम से शासकीय विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक सोच का विकास किया जा सकेगा। सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है। इसका लोक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन तथा प्रदाय से सीधा संबंध है। भौतिक सुविधायें तथा समृद्धि अकेले आनंदपूर्ण मनोस्थिति का कारक नहीं होती। यह आवश्यक है कि प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियोंका दृष्टिकोण जीवन की परिपूर्णता की मौलिक समझ पर आधारित हो। शासकीय सेवकों को उनके कार्यस्थल पर ही नियमित अंतराल पर ऐसे कार्यों तथा क्रियाओं में सम्मिलित किया जावे जो उनके जीवन में आनंद का कारक बन सके।

शांत समय में अंतरात्मा की आवाज को सुनना एक अभ्यास है जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को दृढ़ बनाता है। यह एक प्रकार का अल्पविराम है, जिसके माध्यम से हम स्वयं अपने जीवन से दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। शासकीय सेवक यदि स्वयं आनंदित हैं तो वह दूसरों को भी आनंदित रहने का मार्ग प्रशस्त कर सकेगा। कार्यालय में उनके द्वारा किए गए कार्य इस बात का प्रमाण हो सकते हैं कि वे किस तरह का जीवन जी रहे हैं। अल्पविराम गतिविधि के अंतर्गत आनंद विभाग का यह प्रयास है कि ऐसे स्वयंसेवक(आनंदम सहयोगी) तैयार किया जाए,जो कार्यालयों में सकारात्कम जीवनशैली अपनाने की आवश्यक विधियॉ उपलब्ध करा सके। आनंदम सहयोगी अशासकीय व्यक्ति अथवा शासकीय सेवक हो सकते हैं।

प्रारंभ में संस्थान की वेबसाइट पर पंजीकृत आनंदकों में से प्रत्येक जिले से 03-03 आनंदम सहयोगियों का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों से भी आनंदम सहयोगी बनाये गये। इन आनंदम सहयोगियों को, महाराष्ट्र के पंचगनी स्थित Initiative of Change संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा भोपाल में आकर प्रशिक्षण दिया गया। भारत शासन द्वारा अधिकृत इस संस्था द्वारा केन्द्रीय व राज्यों के शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को ''इथिक्स एवं पब्लिक गर्वेनेंस'' नाम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान द्वारा अल्पविराम प्रशिक्षण के लिए 'अल्पविराम प्रशिक्षण मैन्युअल' तैयार किया गया। आनंदम सहयोगियों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जा चुका है। इन प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों द्वारा अपने अपने जिले में कलेक्टर कार्यालय एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में अल्पविराम कार्यक्रम का आयोजन नियमित अंतराल में किया जा रहा है। उनके द्वारा किये गये कार्यक्रमों का प्रतिवेदन संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

जिला स्तरीय आनंदकों के लिए 1½ दिवसीय 'अल्पविराम परिचय' कार्यक्रम अन्तर्गत प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है। जबलपुर संभाग के जिलों के लिए दो अल्पविराम परिचय शिविर का आयोजन सितम्बर 2017 में किया जा चुका है। जिसमें 8 जिलों के 190 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। इसी तरह सागर संभाग में भी अल्पविराम का कार्यक्रम किया गया है। इसमें पंचगनी पुणे के संस्थान में कार्यरत 4 मास्टर ट्रेनर्स तथा संस्थान द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 191 सरपंच, पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों को प्रशिक्षण दिया गया। सागर जिले के अंतर्गत जनपद पंचायत रहली की ग्राम पंचायतों में सेक्टर अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें लगभग 5000 ग्रामीणों द्वारा प्रतिभागिता की गयी। इसी प्रकार जिला छतरपुर में अल्पविराम परिचय कार्यक्रम के अंतर्गत 251 सरपंच, पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों को प्रशिक्षण दिया गया। भोपाल के वाल्मी प्रशिक्षण संस्थान में अपराधिक पृष्ठ भूमि के लोगो को 3 दिवसीय आवासीय अल्पविराम कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान के कार्यालय भवन स्थित प्रशिक्षण हॉल में माह के प्रत्येक प्रथम एवं चतुर्थ शनिवार को भोपाल स्थित शासकीय सेवकों के लिए एक दिवसीय अल्पविराम प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है।

इसी प्रकार उद्योग विभाग, स्वास्थ विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग विभागों के कर्मचारी/अधिकारी तथा उच्च शिक्षा अंतर्गत विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के लिए अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

प्रदेश में प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों द्वारा जनवरी 2017 से माह सितम्बर 2018 तक अपने-अपने जिलों में कलेक्ट्रेट एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में 1024 अल्पविराम कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिसमें 52000 से अधिक शासकीय / अशासकीय प्रतिभागियों ने सहभागिता की। आईओएफसी पंचगनी से राज्य आनंद संस्थान में संलग्न मास्टर ट्रेनर्स (प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर) द्वारा अल्पविराम कार्यक्रमों का भोपाल एवं अन्य जिलों में अल्पविराम परिचय तथा अल्पविराम के विभिन्न आवासीय एवं गैरआवासीय प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 64 कार्यक्रम आयोजित किये है जिसमें 3000 से अधिक शासकीय / अशासकीय प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा आईओएफसी के साथ निष्पादित एमओयू के अंतर्गत मास्टर्स ट्रेनर्स की सेवाएं ली जा रही है। ये मास्टर्स ट्रेनर्स प्रदेश के जिलों, शासन के विभागाध्यक्ष कार्यालयों में होने वाले आनंद विभाग के कार्यक्रमों अल्पविराम, आनंद सभा, आनंद क्लब आदि में सहयोग प्रदान करने तथा जिलों के आनंदम सहयोगी, आनंदकों तथा नोडल अधिकारियों से सतत् संपर्क में रहकर उन्हे मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य कर रहे है।

आनंदम

'आनंदम' कार्यक्रम राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रेरित गतिविधि है। इस गतिविधी के अंतर्गत उपयुक्त सार्वजनिक स्थलों पर एकस्थल का चयन कर, न्यूनतम सुविधा को विकसित करते हुए आमजन को उनके घरों में उपलब्ध अनुपयुक्त अथवा अनावश्यक दैनिक उपयोग का सामान को छोड़ने तथा उस सामान की जिसे जरूरत हो, वहाँ से निशुल्क तथा बिना किसी से पूछे ले जाने की उसे स्वतंत्रता होती है। इस गतिविधि का स्वंयसेवी संस्थाओं के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जरूरत मंदों को उनकी आवश्यकता का समान उपलब्ध करवाना तथा सामग्री प्रदायकर्ता को JOY OF GIVING का अनुभव कराना है।

वर्तमान में प्रदेश के 51 जिलों में कुल172 निर्धारित स्थानों पर आनंदम गतिविधि चल रही है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा इस गतिविधी का पर्यवेक्षण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से किया जा रहा है।

आनंद उत्सव

लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन कीर्तन, नाटक तथा खेलकूद की गतिविधियां परिपूर्ण जीवन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस मान्यता के आधार पर आनंद उत्सव की परिकल्पना की गई है। आनंद विभाग द्वारा आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी से मनाने का निर्णय लिया गया है।

''आनंद उत्सव 2017'' का आयोजन दिनांक 14 से 21 जनवरी, 2017 के बीच तीन-तीन ग्राम पंचायतों के 7600 समूहों पर किया गया। सभी आयु वर्ग के ग्रामीण महिला, पुरूषों के लिए खेल तथा सांस्कृतिक आयोजन किये गये। समस्त कार्यक्रम जिला कलेक्टर/ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की देखरेख में निर्धारित निर्देशों के अनुसार आयोजित किये गये। यह समस्त गतिविधियां ग्रामीणों की भागीदारी तथा उनमें से चयनित उत्साहित व्यक्तियों तथा स्वयंसेवक आनंदकों के सहयोग से की गई।

''आनंद उत्सव 2018'' का आयोजन दिनांक 14 जनवरी से 28 जनवरी 2018 के बीच ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में तीन चरणों में किया गया। दिनांक 14 से 21 जनवरी के बीच ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में, दिनांक 22 से 24 जनवरी के बीच विकासखण्ड स्तर पर तथा दिनांक 24 से 28 जनवरी के बीच जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुल 8600 से अधिक स्थानों पर आयोजित इन कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्र से 23000 ग्राम पंचायते एवं शहरी क्षेत्रों से 386 नगरीय निकाय द्वारा भाग लिया गया। आनंद उत्सव के अन्तर्गत लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन-कीर्तन, नाटक आदि तथा खेलकूद की गतिविधियाँ आयोजित की गई। इन आयोजनों में सभी आयु वर्ग के महिला पुरूष द्वारा भागीदारी की गई। ग्रामीण क्षेत्र

में प्रति समूह आयोजन के लिए पंचायत विभाग द्वारा 15 हजार रूपये तथा विकासखण्ड स्तर के आयोजन के लिए 50 हजार रूपये की सहायता दी गई। नगरीय निकायों द्वारा अपनी क्षमता एवं आमदनी के आधार पर इन आयोजनों में राशि का व्यय किया गया।

ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में आयोजित आयोजनों में से चयनित श्रेष्ठ आयोजनों को जिला स्तर पर पुरस्कृत किया गया। साथ ही इन आयोजनों के दौरान लिए गए उत्कृष्ट फोटो एवं वीडियो को पुरस्कृत करने हेतु आमजन के लिए एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत उत्कृष्ट फोटो के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमश: राशि रूपये 25000/-, 15000/- तथा 10,000/- पुरस्कार के रूप में प्रदान की गयी। उत्कृष्ट वीडियों के लिए प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमश: राशि रूपये 25000/- तथा 15000/- पुरस्कार के रूप में प्रदान की गयी।

आगामी आनंद उत्सव का आयोजन जनवरी 2019 में किया जायेगा।

आनदं कैलेण्डर

संस्थान द्वारा "आनंद कैलेण्डर" तैयार किया गया है। इसकी परिकल्पना एवं अवधारणा आनंद विभाग द्वारा की गई है। यह कैलेण्डर जीवन मे सकारात्मक सोच को विकसित करते हुये आन्तरिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति को प्राप्त करने का रास्ता दिखाता है।

जब भी कोई इच्छा पूरी होती है या चाहें गये परिणाम मिलते है तो हम प्रसन्न महसूस करते हैं। इसका अर्थ यह है कि प्रसन्नता के लिए हमें कोई उपलब्धि चाहिए। किन्तु आनंद केलेण्डर यह सिखाता है कि हम बिना किसी उपलब्धि या कारण के प्रसन्नचित रह सकते है। आवश्यकता केवल इस दिशा मे जागरूक होकर सार्थक प्रयास करने की है।

आनंद कैलेण्डर में प्रत्येक माह के लिये एक विषय निर्धारित करते हुये उस विषय से जुडी कुछ गतिविधियां सुझाव के तौर पर दी गई है। इन गतिविधियों का अभ्यास करने का तरीका कैलेण्डर में दिया गया है। प्रत्येक माह मे दी गई गतिविधियों का रोज अभ्यास करना अपेक्षित है। आनंद कैलेण्डर में अप्रैल से दिसम्बर तक कृतज्ञता, खेल, अल्पविराम, मदद, सीखना, संबंध, स्वीकार्यता, लक्ष्य, जागरूकता, जैसे विषयों को लिया जाकर अंतिम तीन माहों में आनंद की उपरोक्त 9 धाराओं के संगम के लिए निरंतर अभ्यास करने हेतु अनुरोध किया गया है।

यह कैलेण्डर हिन्दी एवं अंग्रेजी भाष में प्रकाशित किया गया है। माननीय परम पावन श्री दलाई लामा जी द्वारा "आनंद कैलेण्डर" का विमोचन दिनांक 19 मार्च 2017 को किया गया। अब तक इस कैलेण्डर की प्रतियां देश व विदेश के विशेष गणमान्य व्यक्तियों एवं सस्थाओं को उपलब्ध कराई गई है। यह कैलेण्डर राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर

हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। इच्छुक व्यक्तियों को "आनंद कैलेण्डर" लागत मूल्य पर ऑनलाईन पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

आनंद कैलेण्डर के सहज उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इसे मोबाईल पर भी उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए राज्य आनंद संस्थान ने मोबाईल एप्प तैयार करके गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड करने की सुविधा दी है। इस मोबाईल एप्प को डाउनलोड करके कोई भी आनंदक अपने लिए विशिष्ट आनंद कैलेण्डर बना सकता है और उसकी गतिविधियों को करके उसे दर्ज भी कर सकता है।

आनंद क्लब

परिपूर्ण एवं आनंदमयी जीवन जीने के लिए विगत दशकों से साईंस आफ हैप्पीनेस के क्षेत्र में बहुत प्रगतिहुई है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में भी आनंदमयी जीवन जीने के अनेक उपकरण उपलब्ध हैं। बहुत से व्यक्ति निजी स्तर पर अथवा संस्थागत रूप से ऐसी गतिविधियां संचालित करते हैं जिनसे समाज में सकारत्मकता तथा आनंद का प्रसार होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे प्रयासों को एक संगठित रूप दिया जाए। यह भी सर्वविदित है कि भले ही प्रसन्नचित रहना हम सभी की जरूरत है परन्तु इसके लिए क्या करना चाहिए इसकी स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं होती। ''आनंद क्लब'' के माध्यम से प्रसन्नचित रहने के कौशल को सभी वर्गों तक पहुंचाने का काम किया जा सकेगा।

''आनंद क्लब'' की परिकल्पना इस विचार पर आधारित है कि समाज में स्वयं सेवियों के समूह आनंदमयी जीवन जीने का कौशल पहले खुद सीखें, उसे अपने जीवन में उतारे और फिर उसका प्रसार अपने पड़ोस में करें। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने के इच्छुक हैं तो वे आनंद क्लब गठित करने की योग्यता रखते हैं।

आनंद क्लब का गठन **:-**

(अ) कोई भी व्यक्ति जो आनंदक के रूप में पंजीकृत है वह क्लब का गठन आरंभ कर सकता है। आनंदक बनने के लिए उसे बेवसाईट - www.anandsansthanmp.in पर स्वत: को पंजीकृत करना होगा।

(ब) उपरोक्त बिन्दु 1 का आनंदक जिसे आगे ''प्रेरक आनंदक'' कहा जाएगा अपने साथ कम से कम 4 अन्य व्यक्तियों को जोड़ेगा। इस प्रकार कुल 5 इच्छुक व्यक्ति मिलकर क्लब का गठन कर सकेंगे।

(स) क्लब पंजीकृत करने के लिए बेवसाईट www.anandsansthanmp.in पर आनंद क्लब टेब को क्लिक करें।

राज्य आनंद संस्थान की भूमिका निम्नानुसार होगी-

(i) आनंद क्लब का पंजीयन करेगी।

(ii) पंजीकृत क्लब के सदस्यों को प्रशिक्षण तथा अध्ययन सामग्री आन लाईन उपलब्ध कराएगी जो क्लब की गतिविधियों का आधार होगा।आनंद के विषय पर हो रहे अनुसंधान की जानकारी देगी।

(iii) क्लब के द्वारा किए जा रहे सकारात्मक कार्यों का प्रचार प्रसार तथा उसे बेवसाईट www.anandsansthanmp.in पर प्रदर्शित करेगी।

(iv) उत्कृष्ठ कार्य करने वाले क्लब और आनंदकों की पहचान कर उन्हें राज्य स्तर पर सम्मानित करेगी। क्लब को किसी प्रकार की कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

(v) आनंद क्लब के सदस्यों को यथा संभव प्रशिक्षित करेगी।

आनंद क्लब की गतिविधियो मे आतंरिक गतिविधि तथा बाह्य गतिविधि शामिल है।

वर्तमान में 363 आनंद क्लबों द्वारा अपना पंजीयन करा कर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

अल्पविराम सह-आनंद क्लब कार्यशाला 3 से 5 मई 2018 को भोपाल में आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश के 22 जिलो से 60 आनंद क्लबों के 149 प्रतिभागी उपस्थित हुए। इसी प्रकार दिनांक 16 से 18 जुलाई 2018 के मध्य दूसरी अल्पविराम सह आनंद क्लब कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के 22 आनंद क्लबों के 122 सदस्यों ने सहभागिता की। इन अल्पविराम सत्रों का संचालन संस्थान द्वारा प्रशिक्षित मध्यप्रदेश के 16 आनंदम सहयोगियों तथा पंचगनी के चार प्रशिक्षकों के सहयोग से किया गया।

आनंद क्लबों के लिए भविष्य की कार्ययोजना एवं रणनीति का निर्धारण करने के उद्देश्य से अल्पविराम सह-आनंद क्लब कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आनंद क्लब सदस्यों को अल्पविराम कार्यक्रम का परिचय देते हुए अपने अंत: करण की आवाज सुनने व उस अनुरूप अभ्यास के लिए प्रेरित करना एवं विभिन्न जिलों से आये आनंद क्लब सदस्यों का आपस में परिचय कराते हुए विभिन्न जिलों में चल रहे आनंद विषयक सकारात्मक प्रयासों के बारे में उन्हें अवगत कराना आदि मुख्य बिंदु रहे।

आनंद सभा

स्कूल तथा कॉलेजों के विद्यार्थियों को सशक्त एवं परिपूर्ण जीवन कला सिखाने तथा आंतरिक क्षमता विकसित करने के लिए आनंद सभा कार्यक्रम शुरू किया गया है। शैक्षणिक संस्थाओं को ऐसे मॉड्यूल उपलब्ध कराये जावेंगेजिनके अनुसार विद्यार्थी ऐसी क्रियाओं में भाग लेंगे, जो उनके जीवन में संतुलन लाने में सहायक होंगे।

इस गतिविधि के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा।

विद्यार्थियों के साथ इन गतिविधियों को संचालित करने के लिए माड्यूल तैयार करने हेतु निजी विशेषज्ञों एवं स्कूल शिक्षा विभाग के साथ बैठके आयोजित की गई।विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने हेतु राज्य आनंद संस्थान द्वारा एक ई.ओ.आई. के माध्यम से संस्थाओं/ व्यक्तियों से आवेदन प्राप्त किये गये। इनमें से पांच सदस्यीय समिति द्वारा अनुशंसित व्यक्ति/ संस्थाओं ने विभाग द्वारा निर्धारित किये गये domain/ themes पर कार्य करना प्रारंभ किया है। ये पांच डोमेन है- स्वीकार्यता (Acceptecne), लक्ष्य (Goal), कृतज्ञता (Gratitude), संबंध (Relation) तथा देने का सुख (Giving)। इस संबंध में चार जिलों से 30 शिक्षक/ व्याख्याता को इन डोमेन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाकर अपने-अपने विद्यालयों में टेस्ट रन करने हेतु निर्देशित किया गया है। पश्चात उनके अनुभवों के आधार पर उन्हें एक रिफ्रेशर प्रशिक्षण भी दिया गया है।

आनंद सभा के संबंध में टीचर्स मैन्युअल तैयार किया जाकर 12 जिलों के शासकीय /अशासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के शिक्षकों को इस कार्यक्रम के प्रशिक्षण हेतु ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी है।

आनंद शिविर

शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाने तथा उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए राज्य आनंद संस्थान द्वारा ''आनंद शिविर'' आयोजित किये जा रहे है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा वर्तमान में तीन संस्थानों- 1. आर्ट ऑफ लिविंग, बैंगलुरू 2. एनिशिएटिव ऑफ चेंज, पुणे तथा 3. ईशा फाउण्डेशन, कोयम्बटूर से इस हेतु एमओयू किया गया है।

इस संबंध में आनंद विभाग द्वारा माह अक्टूबर 2017 को आवश्यक निर्देश जारी किये गये है। उक्त संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण में संबंधित विभाग के शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण शुल्क तथा टी.ए. की प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग द्वारा की जावेगी। इन शिविरों में भाग लेने वाले शासकीय सेवकों द्वारा संस्थान की वेबसाईट पर रूपये 500/- शुल्क जमा कर पंजीयन किया जाता है। शिविर में शासन के किसी भी विभाग में पदस्थ शासकीय सेवक के प्रशिक्षण शुल्क का भुगतान प्रशिक्षण उपरांत शासकीय सेवक के संबंधित विभाग द्वारा राज्य आनंद संस्थान को किया जाता है।

शासकीय सेवक से संबंधित पति अथवा पत्नि जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनके शिविर में भाग लेने पर उनका पंजीयन तथा प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर सीधे राज्य आनंद संस्थान के कोष में जमा कराया जाता है। इसी प्रकार निगम/मंडल/बोर्ड आदि के कर्मचारियों द्वारा स्वयं का और उनके पति अथवा पत्नि जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनका पंजीयन एवं प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर भुगतान किया जाता है। इस प्रकार राज्य आनंद संस्थान को प्रशिक्षणार्थियों से

प्राप्त समस्त राशि का समेकित भुगतान आनंद शिविर अयोजित करने वाले संबंधित संस्थान को कर दिया जाता है।

तीनों संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जाने वाले शिविरों का कैलेण्डर,संस्थान की वेबसाईट www.anandsansthanmp.inपर उपलब्ध कराया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ईशा फाउण्डेशन एवं आर्ट ऑफ लिविंग के आनंद शिविर आयोजित किये गये जिनमें प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के 494 प्रतिभागियों ने भागीदारी की।

क्र.	संस्था का नाम	आयोजित प्रशि. सत्र	प्रतिभागी संख्या
1	आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलोर	3	202
2	आईओसी, पंचगनी (महाराष्ट्र)	3	118
3	ईशा फाउंडेशन, कोयम्बटूर	4	174
		कुल	494

शासकीय विभागों के आनंद शिविर में अधिक से अधिक सहभागिता तथा प्रशिक्षण शुल्क का नियमित रूप से भुगतान सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक विभाग प्रमुख के साथ पृथक-पृथक एमओयू निष्पादित किये जा रहे है।

आनंद रिसर्च फैलोशिप

प्रदेश के शिक्षण एवं शोध संस्थानो में आनंद के विषय पर अध्ययन, शोध / अनुसंधान करने के लिए 1.आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट 2.आनंद अनुसंधान फैलोशिप तथा 3.आनंद डॉक्टोरल फैलोशिप कार्यक्रम आरंभ किये जा रहे है।

आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट - इसका उद्देश्य आनंद एवं खुशहाली के विषय पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट तथा इस हेतु प्रभावी उपकरण और तकनीकों का अनुसंधान करना। प्रोजेक्ट की अवधि 3 वर्ष की होकर प्रत्येक अनुसंधान प्रोजेक्ट के लिए अधिकतम रूपये 10 लाख का प्रावधान रखा गया है। एक वर्ष में अधिकतम 5 प्रोजेक्ट स्वीकृत किये जायेंगे।

आनंद अनुसंधान फैलोशिप – इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर एक्शन रिसर्च एवं प्रोजेक्ट वर्क को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि अधिकतम 2 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को अधिकतम रूपये 5 लाख की सहायता प्रदान की जायेगी। एक समय पर 5 से अधिक फैलोशिप लाईव नहीं होगी।

आनंद डॉक्टोरल फैलोशिप – इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर डॉक्टोरल रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि 3 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत

चयनित व्यक्ति को प्रतिवर्ष रूपये 3 लाख तक की सहायता प्रदान की जायेगी। वर्ष में अधिकतम 5 डॉक्टोरल फैलोशिप स्वीकृत किये जायेंगे।

उपरोक्त के लिए आवेदक राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से अपना आवेदन कर सकते है।

हैप्पीनेस इंडेक्स

राज्य में नागरिकों के जीवन में आनंद के स्तर को मापने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण करवाने का शासन द्वारा निर्णय लिया गया है। यह सर्वेक्षण आन्तरिक तथा बाह्य सकुशलता आंकने का कार्यक्रम होगा, जिसे अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित व मान्य उत्कृष्ट विधियों के आधार पर तैयार किया जायेगा। राज्य आनंद संस्थान ने आईआईटी खड़गपुर के साथ अनुबंध किया है जिसके अंतर्गत वह आनंद के लिए पैमानों की पहचान, लोगो को आनंदित करने की विधियों व उपकरणों का विकास करेंगे। हैप्पीनेस इंडेक्स की गणना के लिए आईआईटी खड़गपुर द्वारा प्रदेश के 10 जिलों के 3-3 सर्वेयर को प्रशिक्षण दिया जाकर प्राथमिक सर्वे का कार्य किया जा चुका है। इस सर्वे को आधार बना कर विस्तृत प्रश्नावली एवं इंडीकेटर्स तैयार किये जा सकेंगे।

22 व 23 फरवरी 2018 को हैप्पीनेस इंडेक्स के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन आनंद विभाग, मध्यप्रदेश शासन, द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) खड़गपुर के सहयोग से भोपाल में किया गया। उक्त कार्यशाला में हैप्पीनेस क्षेत्र के देश-विदेश के ख्यात विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। इस कार्यशाला का उद्देश्य मध्यप्रदेश राज्य के लिए हैप्पीनेस इंडेक्स तैयार करने होने वाले सर्वे के लिए प्रश्नावली, सर्वेक्षण पद्धति, सेम्पल साइज तथा रिपोर्ट का फार्मेट तय करना तथा देश विदेश के प्रतिभागियों से उस पर उनकी टिप्पणी प्राप्त करना था।

आई.आई.टी. खड़गपुर के साथ मिलकर संस्थान द्वारा हैप्पीनेस इंडेक्स हेतु आवश्यक प्रश्नावली तैयार कर ली गयी है तथा अंतिम पायलेट सर्वे का कार्य माह अक्टूबर 2018 में शुरू करने की योजना है।

ऑनलाईन वीडियो कोर्स

हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल आफ बिज़नेस (आई.एस.बी.) द्वारा “happiness and fulfilment” विषय पर चलाये जा रहे वीडियो कोर्स को मध्यप्रदेश में भी चलाये जाने के संबंध में आनंद विभाग द्वारा पहल की गई हैं। अमेरिका की टेक्सास यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर श्री राज रघुनाथन द्वारा विकसित किये गये इस पाठ्यक्रम में विविध क्षेत्र जैसे साईक्लोजी, न्यूरोसांइस तथा बिहैवीरल डिसिज़न थ्योरी के माध्यम से व्यवहारिक तथा जांची परखी हुई विधियों के माध्यम से जीवन मे खुशहाली व आनंद को प्राप्त करने की विधि बहुत ही सरल भाषा में बताई गई है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा उपरोक्त वीडियो कोर्स को हिन्दी में अनुवाद करने तथा अपने नागरिकों को भी इस कोर्स का लाभ देने के लिए आईएसबी टीम के साथ एक एमओयू निष्पादित किया गया है ।

संस्थान द्वारा इस वीडियों कोर्स का हिन्दी में अनुवाद कराया जाकर इसके हिन्दी में रूपांतरण (voice over) करने का कार्य किया जा रहा है।

सीएसआरफंड

श्री एस.एस. रेखी अप्रवासी भारतीय उद्योगपति द्वारा सीएसआरके अर्तगंत राज्य आनंद संस्थान को 1 लाख डॉलर देने की सहमति दी है। श्री रेखी की बिजनेस संस्था R Systems International Ltd. के माध्यम से राज्य आनंद संस्थान को अबतक राशि रूपये 15,00,000/- का योगदान दिया जा चुका है।

उपरोक्त राशि के उपयोग हेतु राज्य आनंद संस्थान तथा रेखी फॉउण्डेशन के बीच एक एमओयू का निष्पादन किया गया है जिसके अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान में एक रेखी सेंटर फॉर हैप्पीनेस के नाम से एक चेयर स्थापित की गयी है। रेखी सेंटर फॉर हैप्पीनेस (आरसीएच) के अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान का प्रस्तावित कार्यक्रम ''आनंद ग्राम'' लिया गया है। साथ ही इजरायल स्थित मेटिव संस्था द्वारा प्रदेश के 25 स्कूल टीचर्स को Positive Psychology School Intervention Programme का प्रशिक्षण भी दिया गया है।

आनंद ग्राम

राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश के विभिन्न भागों में ग्रामों का चयन किया जा रहा है जिसमें आनंद विभाग की गतिविधियों को समग्र रूप से संचालित किया जाएगा। ऐसे ग्राम में विद्यालय के छात्रों के लिए आनंद सभा संचालित की जाएगी। इस ग्राम में आनंद क्लब का गठन किया जायेगा, आनंद कैलेण्डर का उपयोग, आनंद उत्सव, तथा अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। ग्रामवासियों में से ही योग्य ग्रामवासियों को आनंदम सहयोगी के रूप में प्रशिक्षित किया जायेगा।

ग्राम में आनंद गतिविधियों के संचालन के सकारात्मक परिणाम मिलेगे तो ऐसे ग्राम को "Centre for happiness" के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि वहां से यह गतिविधियां आसपास के ग्रामों में भी वालेंटियर के माध्यम से पहुंचाई जा सके।